

**श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी-वेरावलम्**  
**शास्त्रीकक्षा तृतीयसत्रम्, बाह्यछात्रेभ्यः स्वाध्यायकार्यम्**

कक्षा – शास्त्री-२ (SEM-3)

प्रश्नपत्रम् – ६

गुणाः - ३०

विषयः - नव्यन्यायः

ग्रन्थः – पञ्चलक्षणी- गादाधरी (चतुर्थपञ्चमलक्षणे)

प्रथमान्वितिः

- |            |   |    |
|------------|---|----|
| प्रश्नः- १ | १. चतुर्थलक्षणं सदलसार्थक्यं व्याख्यात।                                     | ०५ |
|            | २. तृतीयलक्षणत्यागे बीजं लक्षणान्तरस्वीकारे तात्पर्यं यथाग्रन्थं प्रदर्शयत। | ०५ |

द्वितीयान्वितिः

- |            |  |    |
|------------|--|----|
| प्रश्नः- २ | १. एतद्रूपवान् एतद्रसादित्यत्र समन्वयं प्रदर्शयत | ०२ |
|            | २. साकल्याभावे दोषोद्भवं व्याख्यात।              | ०२ |
|            | ३. घटादित्यत्र पञ्चम्याः अर्थं लिखत।             | ०२ |
|            | ४. प्रतियोगिवैयधिकरण्यं किम्?                    | ०२ |
|            | ५. केवलान्वयिसाध्यकस्थले अव्याप्तिं दर्शयत।      | ०२ |

प्रश्नः- ३

तृतीयान्वितिः

- |    |   |    |
|----|---|----|
| १. | पञ्चमलक्षणं सर्वत्र समन्वयत।                    | ०५ |
| २. | पूर्वपक्षव्याप्तिलक्षणाणि सङ्क्षेपेन व्याख्यात। | ०५ |